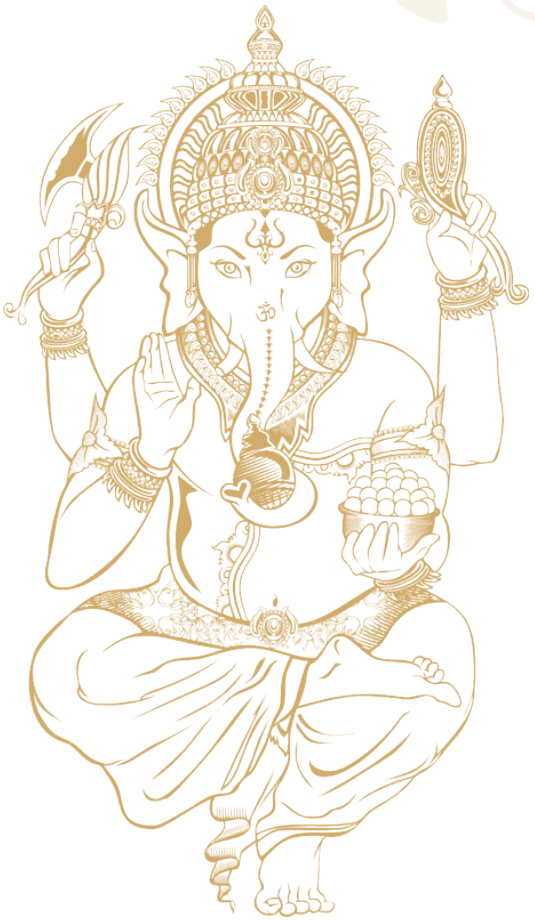

Ashok

G

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121199813

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/08/2002	जन्म तिथि	18/11/2008
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 07:08:00	जन्म समय	16:00:00 घंटे
घटी 02:02:34	जन्म समय(घटी)	22:59:54 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Balotra
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	25:50:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	72:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:40:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:58	सूर्योदय	07:01:06
19:08:06	सूर्यास्त	17:50:33
23:53:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:59:03

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 8मा 7दि	05:43:27	सिंह	लग्न	मेष	00:02:57	शनि 3वर्ष 11मा 12दि
राहु	25:18:26	कर्क	सूर्य	वृश्चि	02:28:20	बुध
20/04/2019	10:25:01	कन्या	चंद्र	कर्क	13:53:37	31/10/2012
19/04/2037	24:56:25	कर्क	मंगल	वृश्चि	07:30:29	01/11/2029
राहु 31/12/2021	15:31:15	सिंह	बुध	तुला	28:17:11	बुध 30/03/2015
गुरु 26/05/2024	08:23:11	कर्क	गुरु	धनु	25:46:13	केतु 26/03/2016
शनि 02/04/2027	10:57:15	कन्या	शुक्र	धनु	12:56:30	शुक्र 25/01/2019
बुध 19/10/2029	02:05:23	मिथु	शनि	सिंह	26:07:15	सूर्य 02/12/2019
केतु 06/11/2030	21:45:08	वृष व	राहु व	मक	18:36:01	चन्द्र 02/05/2021
शुक्र 06/11/2033	21:45:08	वृश्चि व	केतु व	कर्क	18:36:01	मंगल 29/04/2022
सूर्य 01/10/2034	03:16:58	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	24:47:27	राहु 16/11/2024
चन्द्र 01/04/2036	15:25:23	मक व	नेप	मक	27:33:29	गुरु 22/02/2027
मंगल 19/04/2037	21:03:58	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	05:43:58	शनि 01/11/2029

लग्न-चलित

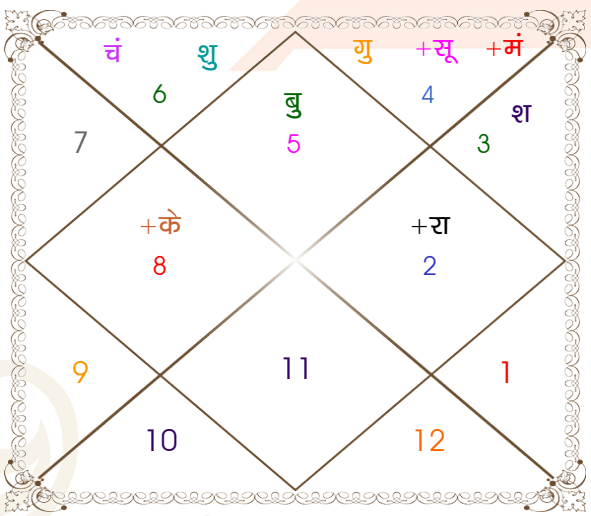

लग्न-चलित

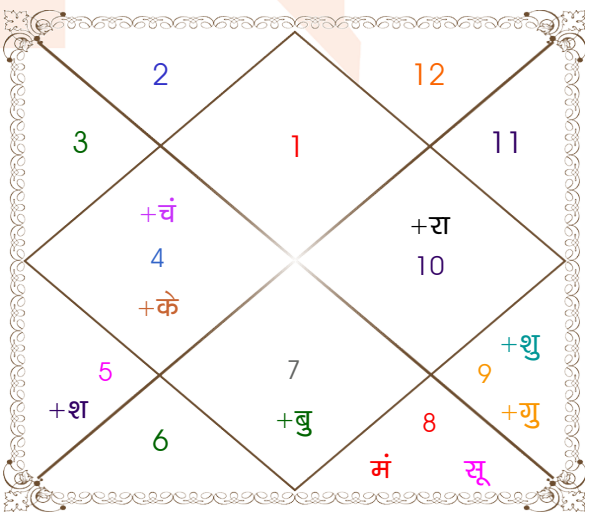

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Ashok का वर्ग मूषक है तथा G का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashok और G का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashok मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ashok कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ashok कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ashok कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

G मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल G कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ashok कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ashok तथा G में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।